भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4508
बुधवार, 20 अगस्त, 2025 उत्तर देने के लिए

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी

4508. श्री पी. सी. मोहन:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र, विशेषकर एयरोस्पेस और उपग्रह प्रौद्योगिकी के प्रमुख केंद्र, बेंगलूरु में निजी क्षेत्र की भागीदारी और स्टार्टअप नवाचार को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) बेंगलूरु में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), भारतीय राष्ट्रीय अतंरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) या अन्य सरकारी इनक्यूबेशन कार्यक्रमों द्वारा सहायता प्राप्त या सुविधा प्रदान किए गए विशेष रूप से वे जो रिमोट सेंसिंग, उपग्रह संचार और नेविगेशन जैसे अनुप्रयोगों पर काम कर रहे हैं उनका अंतरिक्ष-तकनीक स्टार्टअप्स की संख्या और ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने सार्वजनिक-निजी सहयोग को मजबूत करने के लिए बेंगलूरु में समर्पित अवसंरचना और नवाचार केंद्र स्थापित किए हैं या स्थापित करने की योजना बना रही है;

(घ) यदि हाँ, तो शैक्षणिक और उद्योग हितधारकों के साथ सहयोग सहित ऐसी पहलों और साझेदारियों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा स्टार्टअप जुड़ाव के माध्यम से कृषि, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों के लिए अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों के व्यावसायीकरण की सहायता करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानं मत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क), (ख), (ग) एवं (घ)

जी हाँ, इन-स्पेस ने (i) अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की गतिविधियों में सहायता प्रदान करने और (ii) कर्नाटक में अंतरिक्ष विनिर्माण हब स्थापित करने हेतु कर्नाटक सरकार के साथ दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। क्लस्टर का सटीक स्थान राज्य सरकार द्वारा तय किया जाएगा। इसके अलावा, कर्नाटक में अंतरिक्ष विनिर्माण क्लस्टर में एक साझा तकनीकी सुविधा की स्थापना के लिए कर्नाटक सरकार से 30.06.2025 को एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इन-स्पेस ने बेंगलूरु के 50 से अधिक अंतरिक्ष स्टार्ट-अप्स को सहायता प्रदान की है और इन-स्पेस की बीज निधि योजना और उद्भवन-पूर्व कार्यक्रम के तहत 5 स्टार्ट-अप्स का चयन किया गया है।

(ङ) अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों के व्यावसायीकरण में सहायता प्रदान करने के लिए इन-स्पेस द्वारा निम्नलिखित पहल की गई हैं:

- कृषि, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन, समुद्री और मिशन आभासी क्षेत्र में बीज निधि के अवसरों की घोषणा की गई है।
- उत्पाद के विकास और व्यावसायीकरण में सहायता प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी अंगीकरण निधि।
- अंतरिक्ष अनुप्रयोग अंगीकरण कार्यशाला का आयोजन, जहाँ गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीई) को उपयोगकर्ताओं से जुड़ने के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

****